HBK-02

December - Examination 2025

B.A. (Part-I) Examination

हिन्दी भाषा और लिपि का अभिज्ञान

Paper : HBK-02

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **70***]

निर्देश :– यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। दिए गए निर्देशों के अनुसार उत्तर दीजिए।

खण्ड–'अ' **7×2=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. (i) तुलसीदास द्वारा रचित चार रचनाओं के नाम बताइये।

   (ii) छायावाद के प्रमुख आधार–स्तम्भ कवियों के नाम बताइये।

   (iii) कबीर की भाषा को सधुक्कड़ी और पंचमेली क्यों कहा जाता है?

   (iv) तारा प्रकाश जोशी की दो रचनाओं के नाम बताइये।

   (v) आत्मकथा किसे कहते हैं? महात्मा गाँधी द्वारा रचित आत्मकथा का नाम बताइये।

   (vi) संस्मण किसे कहते हैं?

   (vii) 'आकाशदीप' कहानी के प्रमुख पात्रों का नाम बताइये।

खण्ड–'ब' **4×7=28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **7** अंक का है।

2. सप्रसंग व्याख्या करिए –

   संतौ भाई आई ग्यान की आँधी रे!

   भ्रम की टाटी सबै उड़ाणी, माया रहै न बाँधी रे।।

   हितचित की दोउ थुनी गिरानी, मोह बलींडा टूटा।

   त्रिस्न छाँनि परी घर ऊपीर, कुबुधि का भांडा फूटा।।

   ज़ोग जुगति करि संतौं बाँधी, निरचू चुवै न पाणीं।

   कूड़–कपट काया का निकस्या, हरि की गति जब जाँणी।।

   आँधी पीछे जल बूठा, प्रेम हरी जन भीना।

   कहै कबीर भांन के प्रगटे, उदित भयो तम घीनाँ।।

3. 'मीराँ की भक्ति माधुर्य–भाव की भक्ति है।' स्पष्ट करिए।

4. सप्रसंग व्याख्या करिए –

दरस बिनु दूखण लागै नैन।

जब से तुम बिछुड़े प्रभु मोरे, कबहुँ न पायो चैन।।

सबद सुनत मेरी छतियाँ काँपै, मीठे लागे बैन।

विरह कथा कांसू कहूँ सजनी, बह गई करवत ऐन।।

कल न परत पल हरि मग जोवत, भई छमासी रैन।

मीराँ के प्रभु कब रे मिलोगे, दुख मेटण सुख दैन।।

5. 'तारा प्रकाश जोशी का काव्य गीतिकाव्य है।' स्पष्ट करिए।

6. सच्चे वीरों की विभिन्न विशेषताओं का वर्णन करिए।

7. सप्रसंग व्याख्या करिए –

"सामने शैलमाला की चोटी पर, हरियाली में, विस्तृत जल–प्रदेश में नील पिंगल संध्या, प्रकृति की एक सहृदय कल्पना, विश्राम की शीतल छाया, स्पप्न लोक का सृजन करने लगी। उस मोहिनी के रहस्यपूर्ण नील जाल का कुहक स्फुट हो उठा। जैसे मदिरा से सारा अन्तरिक्ष सिक्त हो गया। सृष्टि नील कमलों से भर उठी।"

8. महादेवी वर्मा के अनुसार सुभद्रा कुमारी चौहान की चारित्रिक विशेषताएँ बताओ।

9. सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

"दुःख की पिछली रजनी बीच

विकसता सुख का नवल प्रभात

एक परदा यह झीना नील

छिपाये है जिसमें सुख गात।

जिसे तुम समझे हो अभिशाप

जगत की ज्वालाओं का मूल,

ईश का वह रहस्य वरदान

कभी मत इसको जाओ भूल।"

खण्ड–'स' **2×14=28**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **14** अंक का है।

10. 'तुलसीदास समन्वयवादी कवि थे।' स्पष्ट करिए।

11. 'कबीर भाषा के डिक्टेटर थे।' इस कथन के आधार पर कबीर की भाषा–शैली पर प्रकाश डालिए।

12. गाँधीजी की आत्मकथा के आधार पर गाँधीजी की चारित्रिक विशेषताएँ बताओ।

13. 'आकाशदीप' कहानी की नायिका चंपा की चारित्रिक विशेषताएँ बताओ।